**Regarding the need to make DAP and Urea available to the farmers at cheap price and to regularize the price of maize**

श्री राजेश रंजन **(पूर्णिया) :** सभापति जी, मैं यूरिया और डीएपी के सम्बन्ध में कुछ कहना चाहूंगा । यूरिया साढ़े 4 सौ रुपये और डीएपी 16 सौ रुपये में है । इसकी लगभग कालाबाजारी हो जाती है । रिटेलर, होल सेलर और पदाधिकारी की मिलीभगत से किसानों को समय पर न यूरिया मिलती है और न डीएपी मिलती है । स्थिति यह है, उनको न तो बिजली, न तो पानी और न किसानों को दाम मिलता है । उनके दर्द को देश में देखने वाला कोई नहीं है । आज हालात यह है कि किसान की मकई बहुत सस्ती होने जा रही है क्योंकि उसका उचित दाम नहीं है । मकई के साथ मखाने का भी उचित दाम नहीं है । जो पूर्णिया, सीमांचल और कोसी है, उस इलाके में हम भारत सरकार से मांग करते हैं कि विशेष तौर पर डीएपी और यूरिया की व्यवस्था करके सस्ते दाम पर उपलब्ध कराएं । हमारे इलाके में यह पदाधिकारी की मिलीभगत से कालाबाजारी से बांग्लादेश और नेपाल चला जाता है । मैं वहां सभी किसानों को सस्ते दामों पर डीएपी और यूरिया उपलब्ध कराने की मांग करता हूं और अनुरोध करता हूं कि मकई के दाम के सम्बन्ध में आप तुरन्त निर्णय लें ।